Title: Need to take action against the District Magistrate of Mirzapur for non-cooperating with the Member of Parliament.

MR. SPEAKER: Shrimati Phoolan Devi.

*(Interruptions) **

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except the speech of Shrimati Phoolan Devi.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please go to your seat.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except the speech of Shrimati Phoolan Devi.

*(Interruptions) **

अध्यक्ष महोदय : रघुवंश जी, आप पैनल ऑफ चेयरमैन में हैं, आप वैल में नहीं आना।

...(*Interruptions*)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY: Sir, you had called me and I was interrupted by other Members. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have called the lady Member.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Prabunath Singh, please sit.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except the speech of Shrimati Phoolan Devi.

*(Interruptions) **

** Not Recorded.*

श्रीमती फूलन देवी (मिर्जापुर) : अध्यक्ष जी, मिर्जापुर जिले में जब मैं अपने जिला-अधिकारी से मिलने के लिए टाइम लेती हूं और जब मिलने जाती हूं तो वे अपने चपरासी से कहलवा देते हैं कि साहब क्षेत्र में निकले हुए हैं। लगता है कि जिला अधिकारी बहुत बड़े नेता हैं। अगर मैं जबरदस्ती अंदर जाती हूं तो पीछे के दरवाजे से बाहर निकल जाते हैं और कहलवा देते हैं कि डी.एम. साहब नहीं हैं। â€¦(<u>व्यवधान</u>) डरते नहीं हैं बहुत ज्यादा चतुर हैं। भारतीय जनता पार्टी की सरकार को मक्खन लगाते हैं और कहते हैं कि तुमसे मिलूंगा तो मेरा ट्रांसफर हो जायेगा।

<u>13.00 hrs.</u>

वह कहते हैं कि यदि मैं आपसे मिलूंगा तो मेरा ट्रांसफर हो जाएगा। जिलाधिकारी मेरे कहने से कोई भी काम नहीं करते। मैंने पहले भी सदन में यह मामला उठा कर निवेदन किया था और लिखा था कि मुझे सरकारी वाहन उपलब्ध नहीं कराया गया है। जब मैंने उनसे इस बारे में निवेदन किया तो उन्होंने मुझे अपमानित किया और कहा कि आप सरकारी गाड़ी लोक सभा अध्यक्ष से लीजिए।

श्री प्रभुनाथ सिंह : यह प्रिवलेज का मामला बनता है।

श्रीमती फूलन देवी: मैं जिस विभाग को पैसा देने के बारे में कहती हूं तो जिलाधिकारी कहते हैं कि यह विभाग भ्रट है। मैं जब 11वीं लोक सभा की एम.पी. थी, उस समय एक बार सांसद निधि का पैसा दिया गया था। हमारे यहां के आदिवासी और बनवासी पचास वर्षों से उपेक्षित हैं। वे तीन-चार किलोमीटर दूर जंगलों से पानी लाते हैं। मैंने गांवों में पहली बार हैंडपंप लगा कर दिया। जल निगम वाले माफिया गिरोह के हैं। मुझे उनके बारे में पहले ऐसी जानकारी नहीं थी। मैंने उन्हें पैसा दे दिया। जल निगम के अधिकारियों और ठेकेदारों ने दो-दो हजार रुपए लेकर उन लोगों के घरों में हैंडपंप लगा दिए जिन के यहां भैंस और बकरियां थी। मैंने जिन लोगों के यहां हैंडपंप लगाने के लिए सिफारिश की थी, उनके यहां हैंडपंप नहीं लगाया गया। परसों जिलाधिकारी ने मुझे कहा कि आप जाइए, आप एम.पी. हैं तो एम.पी. बन कर रहिए, हमें आदेश मत दीजिए, मैं जिस विभाग को पैसा दूंगा, वही विभाग काम करवाएगा। गरीब जनता जो हमें वोट देती है हमें उन्हें पानी, बिजली मुहैय्या कराएं या बड़े-बड़े माफिया लोगों को ये सब मुहैय्या कराएं। मैं विनती करती हूं कि ऐसे भ्रट अधिकारियों को दंडित किया जाए और उनसे पूछा जाए कि वह एक एम.पी. को मिलने से क्यों कतराते हैं और उनसे क्यों दूर भागते हैं? इसके अलावा 1998-99 और 2000 का एम.पी. एल.ए.डी. का पैसा दिल्ली में रुका पड़ा है। जिलाधिकारी प्रोजैक्ट बना कर भेज नहीं रहे हैं। वह हम से मिलते नहीं हैं और गलत बोली बोलते हैं। मैं विनती करती हूं कि ऐसे जिलाधिकारी को दंडित किया जाए।...<u>(व्यवधान)</u>

MR. SPEAKER: Mr. Parliamentary Affairs Minister, I have received many complaints on this issue. Shrimati Renuka Chowdhury and others have given notices on this. I think, the Government should evolve some mechanism to take care of these things. Do you have anything to say from the Government side?

...(*Interruptions*)

श्री अकबर अली खांदेकर (सेरमपुर) : अध्यक्ष महोदय, वैस्ट बंगाल में भी यही कंडिशन है। हर प्रोग्राम में तृणमूल कांग्रेस का नाम कार्ड में लिखा नहीं जाता। डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट बात नहीं करते हैं।

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (KHAMMAM): Sir, I should be allowed to speak on this issue.

MR. SPEAKER: I have already mentioned your case to the Minister.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY : I should be allowed because I am the victim; she is the victim. We should be allowed to speak on this issue.

MR. SPEAKER: I have also mentioned your case to the Government.

...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION TECHNOLOGY (SHRI PRAMOD MAHAJAN): As directed by you, I will take up this matter with the Minister for Programme Implementation and see that it is implemented properly. All the allegations that have been made against the officials in particular will be looked into, and, in general, we will ask the Minister concerned to look into this.

MR. SPEAKER: I have received a number of complaints from Shrimati Renuka Chowdhury and others.

...(*Interruptions*)

SHRI C.P. RADHAKRISHNAN (COIMBATORE): Sir, in my constituency, they do not want the people's representative to move freely. They have already booked ten cases against me. The free movement of the people's representative is being restricted by the State officials, as they like. ...(*Interruptions*)

Mr. Speaker, Sir, it is not only happening in U.P. or West Bengal, but is happening everywhere. You should protect the rights of the Members of Parliament. You should take this issue very seriously, and you should protect our rights.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY : Mr. Speaker, Sir, two women Members of Parliament from two different Political parties have filed a Privilege Motion on this issue ...(*Interruptions*) The Officer concerned is still misbehaving with us ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have already mentioned your case to the hon. Minister

...(*Interruptions*)

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY : Sir, I beg your pardon I should be allowed to speak on this ...(*Interruptions*) Decision on the Privilege Motion is pending for more than two months now ...(*Interruptions*)

SHRI RASHID ALVI : Sir, would I be allowed to speak after Shri Reddy? ...(*Interruptions*)

SHRI C.P. RADHAKRISHNAN : Sir, I want to raise a very important matter...(*Interruptions*)